



Cadaver Organ Donor Diza Urvish Golwala



3-yr-old girl's organs give new lease of life to three kids, vision to 2 others

TIMES NEWS NETWORK

Surat: The kidneys, liver and eyes of a three-and-a-half-year-old girl have given a new lease of life to three children and will bring vision to at least two blind persons in a first case of organ donation of a child in the city.

Diza Golwala began to vomit and had to be admitted to Nikhil Children's Hospital on March 11. She fell unconscious there and was shifted to Neopius PICU under the care of Dr Nikhil Patel. A computed tomography (CT) scan



Diza Golwala

was done and it showed that her brain was damaged. She

was declared brain dead after some time on a day when she was to receive a prize from her school for winning a dance contest.

Diza's parents Urvish, 30, a bank employee, and Vishwa, 25, a working woman, said, "Our lovely daughter is no more. This void can never be filled. However, we decided to donate her organs as that would keep her alive in someone and give new lease of life to people suffering from pain and disease."

A team of doctors from the Institute of Kidney Disease

and Research Centre (IKDRC), Ahmedabad accepted the donations of liver and kidney. The donation of eyes were received by Dr Praful Shiroya of Lok Brasti Chakshu Bank.

Eight-year-old Gokulesh Odedara of Porbandar was recipient of one kidney and another transplanted in the body of six year old Ritika Desai of Ahmedabad. The liver was transplanted in the body of five year old Shrey Patel of Valsnagar. The eyes are yet to be transplanted, sources said.

भास्कर खास एक में लीवर, दो बाल मरीजों में किडनी हुई ट्रांसप्लांट

ગुજરात: साढ़े तीन साल की दीजा के अंगदान से तीन को मिली नई जिंदगी

खून की उल्टी हुई चल
बसी दीजा, गोलबाला
परिवार ने किया अंगदान
दिल्ली भास्कर नेटवर्क | सूत



गुजरात में सूत के गोलबाला परिवार ने ब्रेनडे द्वारा हुई इकलौती बेटी दीजा का अंगदान किया, उनके इस फैसले से तीन अन्य लोगों को नए जीवन की सौगत मिली।

दीजा

दीजा महज साढ़े तीन साल की थीं। इस तरह यह गुजरात में सबसे कम उम्र के व्यक्ति के अंगदान का मामला भी है।

दीजा के माता पिता एवं पिता दर्बर्श गोलबाला कामकाजी दंपत्ति हैं। दीजा इनकी इकलौती बेटी थी।



शुक्रवार की सुबह तक गोलबाला परिवार में सब ठीक था। यकायक दीजा को खून की उल्टी हुई। मिरी का दौरा पड़ा। तुरंत दीजा को अस्पताल ले जाया गया। सांस लेने में तकलीफ होने के चलते उसे वैंटीलेटर पर ले लिया गया। परीक्षण के दौरान दीजा के दिमाग में पानी भरने की समस्या

दीजा अब इनमें 'जीवित'



दीजा की आखें भी डोनेट करने के लिए आई बैंक में सुरक्षित रखी गई हैं।

दीजा अब इस दुनिया में नहीं है। लेकिन उसके अवधारणा के पांच से आठ साल के तीन बच्चों को स्वस्थ जिंदगी की सौगत दे गए हैं। ऐरेंडर के आठ वर्षीय गोकुलेश और दोस्रे एवं अहमदबाद की उह वर्षीय छातिका को दीजा की किडनी लगाई गई है। विसंगत के पांच वर्षीय श्रेष्ठ ने दीजा का लीवर ट्रांसप्लांट किया गया है। दिवंगत

का पता चला, इसके चलते दिमाग को काफी श्रद्धा हो गई। न्यूरोसर्जन ने दीजा को ब्रेनडे घोषित कर दिया। इसी क्रम में गोलबाला परिवार-इनके परिजनों से ऑग्नि डोनेशन के लिए काम करने वाले लोगों ने संपर्क किया। ऑग्नि डोनेट कर मानव सेवा में अमूल्य योगदान को बात समझाई।

बच्ची के अंगदान से तीन बच्चों को नया जीवन

पत्रिका न्यूज़ लेटर्स

patrika.com

सूखा, गाल अटायान सिक्किम एंजेंट्स निवासी नाहुं शीर माल नवी अल्पी को खेन देने चाहिए कि जैन के बारे डाकें पारेजनों ने

अंगदान का निर्णय नियम, जिससे तीन बच्चों को नया जीवन मिल गया।

देवा उर्मिला गोलायाल अंगदान के उपर्युक्त सूखा के बीच दूध गंगा पढ़ाई थी। 21 नार्द की मुख्य उम्र उल्टी दूह और मिठी का भूट आज उसे नियमित चिल्ड्रन अंगदान से आरोग्य करता रहा। साथ लेने ने तब उपर्युक्त का लेना और देवोटलेटर पर रखा गया। शोटी लंबन नी रिपोर्ट में उसके दिवाग ने यानी भूले की जानकारी मिली। यहूं लंबन एवं फिलीट शाह और ओगिहर ने उसे खेन देने चाहिए कह दिया। दो मुकेश गणेशाला ने दोनों लाइफ प्रनुक्त नोटों



माइक्रोबोला से समझे किया। उन्होंने अध्ययन पढ़ने के दिनों के महान्-प्रिया अभेद्य अन्य समर्पितों को अंगदान के बारे में बताया दिया के तिना जर्नल लेख में निश्चय निक शाकाहारी ने उन्होंने डाकेत भूले के बारे में बहुत पढ़ा है। उनकी सहायता मिलने के बाद अंगदानार्द के अडिक्सोडाइटी नींद ट्रांसप्लांट कोलिंगेटर गिया शाह तथा दो ग्राजिन गोदी को विडों-ओर लॉबर बाल लेने के लिए बुला दिया गया। दो बिकाय पर्टेज तथा उनकी दोष ने किट्टनी और शीरक का इन ल्योकाप्ट लिया, जल्दी लघुओं का नान लोक्युलिट लघु लैंग के द्वारा प्रदूषित शिंगारा ने ल्योकाप्ट। इन में शिंगारे एवं किट्टनी पोर्टेजर निवासी गोकुलेश भोजन शोषणा (४) और गुल्मी अंगदानार्द निवासी शिंगार कालोल दिवाई (६) में द्रुतगति का नहीं लोन विकास निवासी विष बोल (५) में द्रुतगति किया गया। दिया के एतो उपर्युक्त कोठक महेन्द्रा बीक में यार्स करते हैं, जबकि या विश्व मनुष्य गंद खायी नालाय नव्वीनेनया दे देवीदास गेन पायर करनी रोकवान है। दिया उन्होंने इत्यादी लंतान दिया।



अंगदानी साड़ा त्रिश वर्षीय ब्रेईनडीजानां अंगदान थकी त्रिश बाणिकोने नवशुद्धन मण्यं

मुमुक्षु, मात्र २
आप नहीं रहेंगे अपनी जान
देने वाली ब्रेईनडीजाना
उपर्युक्त अंगदान करने के बारे
में बहुत जानकारी नहीं दिया जा
ता तो यह अंगदान करने का एक
दृष्टिकोण नहीं बन सकता।

परन्तु अंगदान करना D.O.T.
द्वारा नियमित किया जाता है।

इसका अधिकारी डॉ. रमेश

कुमार ने कहा है कि अंगदान

करने का लक्ष्य यह है कि अंगदान

करने के बाद अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के

बाकी अंगदान करने के बाकी

अंगदान करने के बाकी अंगदान

करने के बाकी अंगदान करने के



ત્રણ વર્ષની દીજાના અંગોથી ત્રણ બાળકોને નવજીવન મળ્યું

સુરત, તૃ. ૧૨

ત્રણ વર્ષની બાળકવાળી પુરીના અણો ઢાન કરી જોણવાલા પરિવારે મળ્યાને નવી ચાપ ચીંપા છે. કર્ણનાડ પુરીના અંગોડાનથી જલ્દ આપોને નવતર કર્યાન અને એ પ્રક્રિયાને લોભની રોકાની બની છે.

પાલ-અપાલસ પનાલમી બંસોની સ્પાને બેસાણી સુવાર્ણી સ્કૂલ પસે ૨૦૩ સિવાયનું રેસ્ટોરન્ટનો જલ્દ રહેતા હિંદુસ ચાર્ફન્ડ ગેન્ડ્યુવાલા (૩.૧.૩૦) અને વિષા હિંદુસ ચેન્નાયા (૩.૧.૨૫)ને પ્રામણ ખાંગે દીજા નામની આપણી અવતરી હતી.

અહું ચર્ચિય દીજા રેસ્ટોરન્ટીની સ્કૂલમાં ખેદુપણાં ડરી હતી. સુધીચરે ૧૫૦૦ આર્ય જાળાયે હ. ૩૦ કલાકે દીજાને હેઠી પણ બાદ ખેદ આવી હતી. તેણેને સારવાર અર્થ નિષ્પીલ ચિંહનું હેસિયિલબમાં હો. નિષ્પીલ પરીયનાં દ્વારેખ સેહાં જારાવાર માટે દાખલ કરી હતી. ત્યો કરણી ખેદ આવતા બાજુન બેસન વઈ ગઈ હતી. તેથી વધુ સારવાર અર્થ નીમો ખસમાં સચારે ૧૦ કલાકે હિન્દુસનીઓએ હો. ચિહ્નિસ પરેલની દ્વારેખ સેહાં દાખલ અરી હતી. ત્યા આમ વઈ જણી ન હોવાણી દેણીબટર પર મુક્યામાં આવી હતી. કેને કરતું: આપું ચાંચું હતું કે મગજામાં પાણીના બચાવને કરશે નાના. મગજાને નુકસાન થયું હોવાનું નિરાન થયું હતું.

અનુભ. પાત્ર. ૮ પટ

પાત્ર. ૮ નું શૈખ

માણ કાર્ણી

ન્યૂઝેલેન્ડ ને હિન્દીટ ઘાટ અને હો. ચિહ્નિસ પરેલે દીજાને બેસન કાંઈ કરી હતી. હો. મુંદુખ જાળીયાને દેનેટ શાહેરના પ્રમુખ નિબંધ મંદ્રાંશુમારાને લેટેલાનિક સેપ્ટ કરી રીતનાં જેનોં અનેની માણીની આપી હતી.

દેનેટ બાઈની રીત લોસ્ટાની પુર્ણીને પરિવારના સંબંધોને દોરાના અંગેદાન કરવા નાંને જાહેરાતી આપી હતી.

દીજાના માતા પિતાને જ્ઞાનું હાંકે અમારા સંમાજમાંથી પ્રક્રિયાની હતી. બેચેનીન જ્ઞાનિતિરામાં વાયાર અંગેન બેચેનાના સમજાને કાચાતા હતી. અમારી બેચેની બેચેન શાશ્વતાની દીકરીનાં અંગેદાનાં કોઈના પણ જાહેરાયાને નાંનું જુદુન પણ હોય તો અંગેદાન કરવા તોપર હોય.

દીજાના નિયોગનાંથી બેચેનની પ્રારંભનાં રોચકાંસી હોકુંશેષ નેટેલનાર્થી અંગેદાન (૩.૧.૧૮) અને હો. હિન્દી નિયોગનાંથી રહેવાની રીતિના ઇમદારનાં રીતાઈ (૩.૧.૬)ને દ્વાનાખાનાં કરવામાં આવ્યો છે. જ્યારે લીફર વિસ્તારના રેફાલાની શૈખ પટેલ (૩.૧.૫)માં દ્વાનાખાનાં કરવામાં આવ્યું છે. જ્યારે ચાંચુંનું ધન હાડાઈ ચાંચુ નેકાના હો. પ્રદુલ જિયોગાને સ્થાપાનું હતું.

નાનકારી અનુ પર્ણની બાળાડીને બૌચા નસુ આખાણોને નવતર કર્યાન અન્યું છે. અંગેદાન મેળવાનાં આ ચુંબક પ્રત્યેખાંની દીજાના પિતા ઉચ્ચી, માતા પિતા તથા ૩૧.૫૨૨૪૧૬૪૧ રૂણાંદ્રાસ બોળવાનાં સમજું પરિચાર, નાના-નાની ચાંચુંનાં અને રેમાયેન, સત્તરાંકાંપાણા, કુલા ચુંબકાની જગ્યોવાલા, ન્યૂયેર્લાન્ડ હો. હિન્દીટ શાહ, હિન્દેન્દ્રોદીર્ઘ હો. ચિહ્નિસ પટેલ, નીચો પણ પુરીસ્ટાનાં બંગાલકો અને સ્ટાફ, દેનેટ બાઈની પરિવાર પ્રમુખ નિર્દેશ આપુંયાણ, મણી રાતેલ હૈન, હુંદી હેમત દેસાઈ, નિરાન માણસાના અને પ્રેરણાનો કિંદુર સુખાંશ પોણીનો કાંકાર સાંચાંનો હતો.

આડાજણા મોટ વણિક પરિવારની જગ્યાની ત્રણ બાળકોને મળ્યું નવજીવન

સાડા ત્રણ વર્ષની બેઈનડેડ બાળનાં અંગદાનનો સુરતમાં પહેલો કિસ્સો

ચુંચા, ગા. ૧૨

અંગદાનને લઈ સુરતમાં આવી રહેલી જાગૃતિ વર્ષે અગ્રજણના સુરતો મોટ વણિક પરિવારે સાડા તરફ વર્ષની બેઈનડેડ પુત્રીના અંગદાનના કરેલા નિર્ણયથી તરફ બાળકોને નવજીવન અને બેને રોશની મળી હતી. લાડકવાળી પુત્રીના મૃત્યુના કપરા સંજોગોમાં પણ ગોળવાલા પરિવારે સામાજિક ઉત્તરદાયિત્વ નિભાવ્યું હતું.

આડાજણ, એલ.પી. સવારાણી સ્કૂલ પાસે આવેલી શિવછત્ર રેસિડેન્સીમાં રહેતા ઉર્વિશ રાહેજ ગોળવાલા બેંકમાં નોકરી કરે છે. નેમની એકની એક લાડકવાળી સાડા તરફ વર્ષની પુત્રી દીઝાને ગઈકાલે સવારે અચ્યાનક ઊભીઓ ચચા બાદ ખેંચ આવી હતી. દીઝાને ગંભીર ધ્યાલતમાં સારવાર માટે ખાનગી હોસ્પિટમાં ખસેડાઈ હતી. તથીઝોની ટીમે કરેલી તપાસ બાદ દીઝાને બેઈનડેડ પોષણ કરાઈ હતી. ડૉ. મુકેશ જગીવાલાને ડોનેટ લાઈફનો સંપર્ક કર્યો હતો. દીઝાની માતા વિશ્વા, પિતા ઉર્વિશ સહિતના પરિવારના

સભ્યોને અંગદાનનું મહાવ સમજાવ્યું હતું. ગોળવાલાને પરિવારે પણ વહાલી પુત્રીના અંગદાનનો નિર્ણય કરી સમાજને એક આદર્શ દાપલો આપ્યો હતો.



**લાડકવાળી પુત્રીના
મૃત્યુના કપરા સંજોગોમાં
પણ પરિવારે નિભાવ્યું
સામાજિક ઉત્તરદાયિત્વ**

**પોરબંદર, અમદાવાદનાં
બાળકોને કિડની અને
વીસનગરના બાળકને
લિવર ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું**

પણ બાળક જ જોઈતો હોય છે. ત્યારે આ રીતે બેઈનડેડ બાળકનાં અંગો દાનમાં મળી રહેતા પીડિત બાળકોને નવજીવન મળી શકે છે.

પ્રથમ કિસ્સો | મજબૂત મનોબળ કેળવીને બ્રેનહેડ ટીકરી દીજાના અંગોના દાનના નિર્ણયે સમાજને નવી દિશા ચીધી બાળકીના અંગદાનથી ૫ વ્યક્તિના જુવનગાં ઉપવન ખીચ્યાં

મોટ્ટાં સમાજના ઉર્વીશ ગોળવાલા-પત્ની વિશ્વાએ એકની એક લાડકવાયીની બંને કિડની, લીવર અને ચક્કનું દાન કર્યું

JOURNAL OF



A portrait of a woman with dark hair, wearing a blue sleeveless dress. She is looking directly at the camera with a slight smile. The background is plain white.

41

हनुमान ये
व.प.संगति
ह पासे पर्वत
देखने आए तो
किंवित गोवक्षम
तेजनी पर्वतिये
मननी अपनी
भ्रष्ट वह चर्पी
जाने ने वह सुनने
विषय लाला कह
सुनी हाथ शैक्ष
हनुमान कहने
परीक्षण पर रखा है तो उसे कह
जाना भवत्ता पर्वती भ्रष्टाने तो
गाना भ्रष्टाने उत्तम युद्ध करना
नित बहुत भ्रष्ट भ्रष्टाने करना
केहो इतना भ्रष्टी ही आ देंगे तो
उन में वही ही खोले देना
पिता उत्तम, भ्रष्टी विषय उत्तम
परिवर्तनाने जोनं वैशेषिक
भ्रष्ट भ्रष्टाना अवश्य भ्रष्टे भ्रष्ट
अपी ली।

ગ્રામ બાળકોને જપણાયન આપાયું

મેને વાઈન નીચેથી ખૂબુંગલે અમદાવાદની નારોકીલાસીના ટ્રાન્સપરાઈટ કે જોનેન્ટર રિપોલેન્સ પણ હતે હોય કે, પણ તોંકોનો સુપર્ફિલ્મ હતું હોય. પણ એવા વાંચની રીતમાં મંજુષા હતી. તોંકેટાં જેણ વીજાં હજુ આ હેઠળનું ગ્રાન કેવું કરી ચૂક્યું હતું.

442 વ્યક્તિગતાની

निष्ठ गांधीजनों दोनों वर्गमें
प्रेमचन्द्री शास्त्री इतापानी उद्धव
कल्याणस्थाने अपनी सुनीला
ता विद्या, उपेन्द्रिय, उद्योग आदि
प्राचीनकालीन धर्म विद्या का लोक
उत्तिकार एवं विजितने वाला
एवं नवी दृष्टिकोण वालाना उत्तम
प्रयोग है।